Contents

विषयानुक्रमणिका

अध्याय एक 1-11
कवि 'तरुण' का वैविध्यपूर्ण व्यक्तित्व
परिचय एवं परिवेश
वृत्ति एवं प्रवृत्ति
सतत् विकसित साहित्य व्यक्तित्व

अध्याय दो 12-117
कवि 'तरुण' और उनका गीत-काव्य
परिचयात्मक विश्लेषण
प्रथम किरण/धूपदीप/हिमांचला/आँधी और चाँदनी/अग्निसंगीत/हम शिल्पी संत्रास के/ 'तरुण'-काव्य ग्रन्थावली/खूनी पुल पर से गुजरते हुए/चल पड़े हम तो/तारे, ओसकण और चिनगारियाँ/यह लो मेरे हस्ताक्षर।

अध्याय तीन 118-178
समीक्षा
राष्ट्र/चिन्तन का राजनैतिक परिवेश/सामाजिक अवधारणा/कविता में संत्रास के स्वर/ व्यक्ति और समष्टि जन पीड़ाएँ/आत्मसन्निहिति/गीतात्मक संवेदनाएँ।

अध्याय चार 179-190
जीवन्त आस्थाएँ/अजेय स्वर/दृढ़ संकल्प धर्मिता

अध्याय पाँच 191-230
रस/राग और रंग/प्रकृति

अध्याय छह 231-245
जीवन दर्शन और आध्यात्म चिन्तन

अध्याय सात 246-255
आधुनिक काव्य परम्परा और 'तरुण'

अध्याय आठ 256-274
शिल्प-पक्ष

अध्याय नौ 275-289
उपसंहार

परिशिष्ट 290